डिवाइस पार्क में कई देशों के लिए उपकरण तैयार होंगे

ग्रेटर नोएडा, वरिष्ठ संवाददाता। यमुना सिटी के सेक्टर-28 स्थित मेडिकल डिवाइस पार्क में कैंसर समेत सहायक चिकित्सा उपकरण विकसित करने की तैयारी है। सहायक चिकित्सा उपकरण यूक्रेन और स्वतंत्र राज्यों का राष्ट्रमंडल (सीआईएस) देशों के लिए तैयार किए जाएंगे। इन देशों में रूस, बेलारूस और कजाकिस्तान शामिल हैं। इसके लिए कई कंपनियों ने क्षेत्र में निवेश के लिए रुचि दिखाई है।

यमुना विकास प्राधिकरण (यीडा) के अधिकारी ने बताया कि पिछले सप्ताह दुबई में आयोजित डब्ल्यूएचएक्स दुबई कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश और केंद्र सरकार का प्रतिनिधिमंडल शामिल हुआ था। इस दौरे का उद्देश्य मेडिकल डिवाइस पार्क को मेडिकल निर्माण और नवाचार के लिए वैश्विक केंद्र के रूप में प्रस्तुत करना रहा। इसमें यीडा से एसीईओ शैलेंद्र भाटिया, उद्योग विभाग के विशेष सचिव चंद्र विजय सिंह, औषधि विभाग के निदेशक हितेंद्र साहू और एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल फॉर मेडिकल डिवाइस के कार्यकारी निदेशक प्रवीण कुमार शामिल हुए। प्रतिनिधिमंडल ने विभिन्न कंपनियों के पदाधिकारियों को यमुना सिटी में विकसित हो रहे मेडिकल डिवाइस पार्क के बारे में बताया। इसके फलस्वरूप, डिस्पोसेफ कंपनी ने 10 एकड़ भूमि के लिए निवेश मित्र पोर्टल से आवेदन किया। पॉलीमेडिक्योर कंपनी ने अपने पहले से आवंटित सात एकड़ के प्लॉट में निर्माण शुरू करने का भरोसा दिलाया, जबकि कुसुम हेल्थकेयर ने यूक्रेन और सीआईएस देशों के लिए सहायक चिकित्सा उपकरण बनाने का इकाई लगाने में रुचि दिखाई।

आस्का लैब के लिए कंपनी आमंत्रित : टीम ने मेडिकल डिवाइस पार्क में तैयार होने वाले उपकरणों को सर्टिफाई कराने के लिए आस्का लैब का प्रस्ताव भी रखा। यहां एक्यूप्रेक और टीयूवी एसयूडी (जर्मनी) कंपनी को आस्का मान्यता प्राप्त परीक्षण प्रयोगशाला स्थापित करने के लिए आमंत्रित किया गया। बताया गया कि एक्यूप्रेक ने पांच वर्षों में 250 करोड़ के निवेश का प्रारंभिक प्रस्ताव दिया है।

कैंसर उपकरण बनाने वाली कंपनियों से बातचीत

अफसरों ने विप्रो जीई हेल्थकेयर कंपनी के साथ भी बैठक की। बताया गया कि कंपनी मेडिकल डिवाइस पार्क में नया प्लांट लगाने पर विचार कर रही है, इसे बोर्ड की मंजूरी का इंतजार है। जापान की ऑलम्पस, स्वीडन की इलेक्टा और सीमंस हेल्थनियर्स के साथ सभी निर्माण इकाइयां स्थापित करने पर चर्चा की गई। बताया गया कि इलेक्टा एबी कैंसर और न्यूरोसर्जरी के लिए उन्नत रेडिएशन तकनीक बनाने वाली स्वीडन की कंपनी है।

> दुबई में मेडिकल डिवाइस पार्क को लेकर प्रतिनिधिमंडल ने कई कंपनियों से बातचीत की। कई कंपनियों ने क्षेत्र में निवेश करने के लिए रुचि दिखाई है, ताकि क्षेत्र में कैंसर समेत सहायक चिकित्सा उपकरण तैयार हो सके।-**शैलेंद्र भाटिया,** एसीईओ यीडा